हरियाणा में होंगी 26वीं अखिल भारतीय वन खेल-कूद प्रतियोगिताएँ

चर्चा में क्यों?

25 फरवरी, 2023 को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने बताया कि राज्य में जल्द ही 26वीं अखिल भारतीय वन खेल-कूद प्रतियोगिताओं का आयोजन होने वाला है। तथा प्रतियोगिता का लोगो व शुभंकर भी जारी कर दिया गया है।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने बताया कि खेलों का पॉवर हाऊस कहा जाने वाला हरियाणा में इससे पहले भी दो बार क्रमश: वर्ष 2003 में 10वीं एवं वर्ष 2013 में 13वीं अखिल भारतीय वन खेल-कूद प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन किया जा चुका है।
- इस बार 10 से 14 मार्च तक इन खेलों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें समस्त राज्यों, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, भारत सरकार, केंद्रशासित प्रदेशों एवं वन अनुसंधानों के लगभग 2500 प्रतिभागियों के भाग लेने की संभावना है। वन विभाग में ग्रुप सी में फॉरेस्ट गार्ड के पद पर खिलाड़ियों को नियुक्त कर अलग-अलग खेल टीमें बनाई जाएंगी।
- मुख्यमंत्री ने खेलों के मस्कट का ‘कृष’ नामकरण किया।
- गौरतलब है कि पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार प्रतिवर्ष अखिल भारतीय वन खेल-कूद प्रतियोगिता करवाता है, जिसका जिम्मा प्रतिवर्ष किसी राज्य को सौंपा जाता है। इस बार 26वीं वन खेल-कूद प्रतियोगिता के आयोजन का जिम्मा हरियाणा वन विभाग को दिया गया है।
- वन एवं पर्यावरण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वर्ष 1993 में वन विभाग में खेलों के समुचित प्रोत्साहन के लिये वार्षिक अखिल भारतीय वन खेलकूद प्रतियोगिता का आरंभ किया गया था, जिसका प्रथम आयोजन हैदराबाद में किया गया। तब से अब तक कुल 25 बार प्रतियोगिता का आयोजन किया जा चुका है।
- मुख्यमंत्री ने बताया कि अखिल भारतीय वन खेलकूद प्रतियोगिता के लोगो हेतु ब्लैक बक यानि काला हिरन को चुना गया है, जो कि राज्य की संस्कृति में रचा-बसा शानदार तेजस्वी वन्य जीव है एवं हरियाणा का राज्य पशु है। लोगो में राज्य का नक्शा यह इंगित करता है कि हरियाणा राज्य इस वर्ष खेलों का आयोजन कर रहा है जो कि सभी क्षेत्रों में तीव्र प्रगति के साथ खेलों में भी सबसे आगे है।
- वृत्ताकार घेरे में चिन्हित खेल हरियाणा में प्रमुख रूप से आयोजित खेलों के बारे में है जिन्हें प्रतियोगिता के दौरान खेला जाएगा। ऊपर लोगों में दिखायी गई पत्तियाँ वन भाईचारे को दर्शाती हैं।
- विदित है कि भारतीय पौराणिक ग्रंथों में काले हिरन को श्रीकृष्ण जी का सारथी माना जाता है। इसे कहीं-कहीं वायु देवता व चंद्र देवता का वाहन भी बताया गया है।
- 26वीं अखिल भारतीय वन खेल-कूद प्रतियोगिताओं का मुख्य केंद्र पंचकूला के सेक्टर-3 में स्थित ताऊ देवी लाल स्टेडियम होगा। इस स्टेडियम में सभी प्रकार की दौड़ें पैदल चाल, बाधादौड़, चक्का फेंक, भाला फेंक, हैमर थ्रो लंबी कूद, ऊँची कूद, गोला फेंक, ट्रिपल जंप, इनडोर गेम्स जैसे कि बैडमिंटन, कैरम, टेबल टेनिस और चेस बास्केटबॉल, क्रिकेट, हॉकी, कबड्डी, वालीबॉल एवं रस्साकसी आयोजित होंगी।
- इसके आलावा, गोल्फ क्लब, सेक्टर-3 पंचकूला में गोल्फ तथा जिमखाना क्लब, सेक्टर -6 में लॉन टेनिस ब्रिज, स्नूकर, बिलियर्ड और स्क्वैश प्रतियोगिताएँ भी होंगी। तीरंदाजी पंजाब विश्वविद्यालय के खेलकूद मैदान में तथा शूटिंग प्रतियोगिता शूटिंग रेंज चंडीगढ़ में होगी। भारोतोलन प्रतियोगिता राजकीय महाविद्यालय सेक्टर-1 पंचकूला में आयोजित होगी।
- उपरोक्त सभी प्रतियोगिताओं में 285 तरह के खेल कार्यक्रम आयोजित होंगे, जिसमें महिलाओं व पुरूषों के लिये ओपेन वेटेरन एवं सीनियर वेटेरन श्रेणी के लगभग 2500 प्रतियोगी हिस्सा लेंगे। ओपन श्रेणी में सभी भाग ले सकते हैं। वेटेरन व सीनियर वेटेरन श्रेणी 45 वर्ष से 52 वर्ष तक तथा सीनियर वेटेरन 52 वर्ष से ऊपर के प्रतियोगियों के लिये हैं जो 43 टीमों के रूप में 36 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों तथा 7 प्रतिशित संस्थाओं से आ रही हैं।
- आयोजन के लिये यातायात की व्यवस्था, खानपान, स्वागत, आवास एवं सफाई आदि के लिये अलग-अलग कमेटी का गठन किया जा चुका है। सभी खेल स्थलों को प्लास्टिक मुक्त रखा गया है और सभी जगह G-20 तथा लाइफ (लाइफ स्टाइल फॉर एनवायरनमेंट) का लोगो भी अंकित किया जाएगा।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/26th-all-india-forest-sports-competitions-to-be-held-in-

haryana